>

Title : Need to expedite the process of setting up of a Central University, I.I.T., I.I.M., Engineering College and Polytechnic College in Himachal Pradesh.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर): सभापति महोदय, एजुकेशन बिल पर बड़ी लम्बी चर्चा हुई लेकिन यूपीए सरकार ने पिछले वर्ष ही देशभर में केन्द्रीय विश्वविद्यालय खोलने की बात की। उसमें हिमाचल प्रदेश को भी चुना गया। केन्द्रीय टीम भी हिमाचल प्रदेश गई और जिला कांगड़ा के धर्मशाला, पालमपुर, देहरा इलाके में जमीन देखी गई। देहरा में सरकार ने 500 एकड़ जमीन उपलब्ध करवाने की बात कही। हिमाचल प्रदेश सरकार ने 650 एकड़ से ज्यादा जमीन देहरा में केन्द्र सरकार को उपलब्ध करवाने की बात कही और लिखा भी। आज लगभग एक वर्ष से ज्यादा बीत गया, अभी तक उस पर केन्द्र सरकार कोई निर्णय नहीं ले पाई। हमने यहां तक भी कहा कि ज्वाला जी के नजदीक जो कॉलेज का भवन बना है, उसे हम केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लिए एक, दो वर्ष के लिए देने के लिए तैयार हैं। लेकिन पिछले एक वर्ष में केन्द्र सरकार द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया।

इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नॉलोजी की बात की गई। 100 एकड़ जमीन उपलब्ध करवाने की बात की गई। जिला ऊना में लगभग 170 एकड़ जमीन हिमाचल प्रदेश सरकार ने केन्द्र को उपलब्ध करवाने की बात कही। उस बात को भी लगभग एक वर्ष बीतने को आया है। आज एजुकेशन पर बड़ी लम्बी-लम्बी बातें की गईं। 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों को शिक्षा उपलब्ध करवाने की बात कही गई।...(व्यवधान) पूरे सदन ने उस पर सहयोग करने की बात कही।...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि पिछले एक वर्ष में यूपीए सरकार द्वारा जो प्रोजैक्ट्स चलाने की बात कही गई है, अगर उन पर आज तक निर्णय नहीं लिया गया है, तो हम भविष्य की जो बात करते हैं, उन पर कब निर्णय लिया जाएगा? अगले पांच वर्षों में कुछ होगा या नहीं होगा? मैं आपके माध्यम से केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि देहरा में केन्द्रीय विश्वविद्यालय जल्द से जल्द खुले। हमने जो 650 एकड़ से ज्यादा जमीन उपलब्ध करवाई है, उस पर खुले। ऊना में इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नॉलोजी खुले क्योंकि अगर हमने जमीन उपलब्ध करवाई है, अगर केन्द्र सरकार ने नॉलेज कमीशन की बात कही, तो मैं यह भी कहना चाहूंगा...(व्यवधान)

सभापति महोदय : नॉलेज कमीशन आपके नोटिस में नहीं है।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : उसमें दिया है। हमने इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नॉलोजी के साथ-साथ इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ मैनेजमेंट की बात भी कही है जिसके लिए प्रदेश सरकार जमीन उपलब्ध करवाएगी। हिमाचल प्रदेश ने अगर प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में पहला दर्जा प्राप्त किया है तो वहीं पर अगर हम उच्च शिक्षा की बात करें...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Shri Anurag Singh Thakur, please do not go into these details. You have made your point. So many Members are waiting to speak.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : महोदय, मैं अंतिम बात बोलना चाहता हूं। प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश देश में अव्वल स्तर पर है, वहीं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी हिमाचल प्रदेश की औसत पूरे देशभर में दुगुनी है। मेरा निवेदन है कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय, इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नॉलोजी और आईआईएम की बात की गई, ये हिमाचल प्रदेश में जल्द से जल्द खोले जाएं ताकि पूरे देश को उसका लाभ मिल सके।